(ख) यदि हां, तो पटसन मिलों की स्थापना का कार्य कब तक आरम्भ हो जायेगा ?

उद्योग मंत्री (श्री जार्ज फर्नांनडिस) : (क) और (ख). बिहार के पूर्णिया जिले में दो जूट मिलों को स्थापना करने के लिए आशयपत्र मंजूर किये गये थे। फिर भी, औद्योगिक लाइसेंस कोई भी जारी नहीं किया गया है तथा राज्य सरकारों से अनुरोध किया गया है कि कच्चे जूट की स्थिति तथा जूट क माल की मांग की स्थिति को देखते हुए मामले की समीक्षा की जाए ।

Proposals for financial assistance from National Textiles Corporation

2036. SHRI SHANKERSINHJI VAGHELA: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether the National Textiles Corporation of India has submitted proposals to Government for receiving assistance from the Industrial Development Bank of India for financing modernisation of textile mills;

(b) if so, the reaction of Government thereto; and

(c) amount of loan asked for by N.T.C. and whether Government would ensure its proper utilization for the purpose for which it would be given to N.T.C.?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI GEORGE FERNANDES): (a) to (c). Government has issued orders to the IDBI to the effect that the NTC Mills would also be eligible for assistance under the Soft Loan Scheme for modernisation. The applications for assistance under this scheme are submitted by the NTC directly to the IDBI. The NTC has so far applied to the IDBI for soft loans totalling Rs. 112.41 lakhs. The pre-sanction and post-sanction procedures of IDBI with regard to sanction and utilisation of loans applicable to the NTC Mills will be the same under the scheme as are applicable to mills in the private sector.

रुग्ण पटसन और चीनी मिलों की संख्या

2037. **श्री उग्रसेन** : क्या **उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) समूचे भारत में ऐसी पटसन और चीनी मिलों की संख्या कितनी है जिन्हें रुग्ण मिलों की सूची में सम्मिलित किया गया है ;

(ख) 1974–75, 1975–76 और 1976–77 में उन पर कितनी धनराशि खच की गई; और

(ग) इन कारखानों को कितना शुद्ध लाभ हुआ ?

उद्योग मंत्री (श्री जार्ज फर्नांनडिस) : जहां तक जूट उद्योग का सम्बन्ध है, जानकारी नीचे दी गई है :—

(क) कानून के उपबन्धों के अनुसार घोषित रुग्ण मिलों की सूची में किसी भी जूट मिल को शामिल नहीं किया गया है ।

(ख) और (ग). प्रश्न ही नहीं उठते ।

जहां तक चीनी उद्योग का सम्बन्ध है, जानकारी इकटठी की जा रही है ।